l UnHkh xUFk l ph

1- अनुराधा भार्गव (2017), देवयानी,विद्यासागर प्रकाशन,शाहदरा, दिल्ली।(क्र0सं0–35)

2- कु. कांता राधवानी, डॉ॰ नीता सिंह (मई 2018), मन्नू भंडारी और उषा प्रियंवदा की कहानियों में विवाहित और अविवाहित स्त्रियों की छवि की विवेचना, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232(Volume 4; Issue 3; May 2018; Page No. 21-25)। (क्र0सं0–10)

3- प्रा. केंद्रे डी. बी. (मार्च 2016), नारी चेतना के अग्निपंख, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Isue 2; March 2016; Page No. 19-21)। (क्र0सं0–21)

4- कुंती सिहं (2010), फणीश्वरनाथ रेणु के औपन्यासिक नारी पात्र, अनुपम प्रकाशन, पटना। (क्र0सं0–17)

5- डॉ0 कृष्णा जून (2011), शिवानी के उपन्यासों में नारी विमर्श, संजय प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली। (क्र0सं0–20)

6- गीता यादव (नवंबर 2015), आधुनिक काल के उपन्यासो में मनोवैज्ञानिकता का पुट, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 1; Issue 1; November 2015; Page No. 13-15)। (क्र0सं0–34)

7- डॉ चेतना पांडेय (जनवरी 2016), प्रेमचंद की कृतियों में नारी, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Issue 1; January 2016; Page No. 34-35)। (क्र0सं0–27)

8- जयश्री रॉय (2016), हव्वा की बेटियों की दास्तान दर्दजा (ISBN:978-93-5229-266-0), वाणी प्रकाशन, दरियाजगंज, दिल्ली। (क्र0सं0–23)

9. जॉन स्टुअर्ट मिल (2017), स्त्री और पराधीनता(*The Subjection of Women, 1869)*, (ISBN 9788126725014)। (क्र0सं0–26)

10. दुलारी कुमारी (जुलाई 2018), प्रेमचन्द एवं नागार्जुन के उपन्यासों में स्त्रियों की दशा एवं दिशा, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 4; Issue 4; July 2018; Page No. 67-69)। (क्र0सं0–33)

11- निर्मल वर्मा (1997), समग्र मानवीय दृष्टि, ऋणजल धनजल (ISBN:978-81-267-1029-4), राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली। (क्र0सं0–1)

12- डॉ॰ निकेता सिंह (जुलाई2016), नारी अस्मिता का परिचायक उपन्यास ''बेतवा बहती रही", International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Isue 4; July 2016; Page 29-31)।(क्र0सं0–13)

13- निशा, सीमा रानी (सितंबर 2018), महिला सशक्तिकरण योजनाएं, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 4; Issue 5; September 2018; Page No. 53-54)। (क्र0सं0–8)

14- नीता कुमारी और आशुतोष कुमार द्विवेदी (जनवरी, 2017), मधु कॉंकरिया के उपन्यासों मे नारी का वैयक्तिक जीवन, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Issue 1; January 2017; Page No. 44-47)। (क्र0सं0–24)

15- डॉ0 नूतन संधू (2008), शिवानी के उपन्यासों में समाज चित्रण(शोध पत्र), दिल्ली।(क्र0सं0–19)

16- प्रियंका कुमारी सिंह (जनवरी, 2017), शॉपिंग मॉल संस्कृति : मध्ययुगीन मानसिकता की महक और स्त्री, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Isue 1; January 2017; Page No. 44-47)। (क्र0सं0–22)

17- डॉ. प्रीती सिहं (जुलाई 2016), नारी सशक्तिकरण और स्त्री मुक्ति, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Isue 4; July 2016; Page No. 47-48)। (क्र0सं0–14)

18- भारत यायावर (1995), रेणु रचनावली,राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली। (क्र0सं0–25)

19- मदन सोनी (2017), परती–परिकथा की विवेचना, समास ISSN:2394-2355 (अंक 15,अप्रैल 2017)। (क्र0सं0–15)

20- डॉ0 ममता धवन (जनवरी 2017), परिवारः पुरूषवादी नीति और स्त्री–दमन का प्रांरभिक चरण, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Issue 1; January 2017; Page No. 78-79)। (क्र0सं0–36)

21- डॉ मोहम्मद अलीखॉन (मई 2016), समकालीन लेखिकाओं के साहित्य में नारी संघर्ष, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Issue 3; May 2017; Page No. 69-70)। (क्र0सं0–29)

22- रघुवीर सहाय (1997), कवि की यात्राएँ, ऋणजल धनजल (ISBN:978-81-267-1029-4), राजकमल प्रकशन, नई दिल्ली। (क्र0सं0–2)

23- प्रो0 राम प्रसाद व्यास (प्रधान सम्पादक) डॉ0 मनोरम उपाध्याय एवं डॉ0 उषा पुरोहित (सह सम्पादक) (2009), भारतीय नारी परिवर्तन एवं चुनौतियॉं, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर। (क्र0सं0–3)

24- रेणु आनंद (मई 2016), समसामयिक परिप्रेक्ष्य में आधुनिक स्त्री की परिकल्पना, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Issue 3; May 2016; Page No. 21-22)।(क्र0सं0–4)

25- डॉ0 रेणु आनंद (जुलाई 2016), प्रभा खेतान के उपन्यास छिन्नमस्ता में स्त्री की सामाजिक स्थिति, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Issue 4; July 2016; Page No. 32-35)। (क्र0सं0–6)

26- डॉ0 रेणु आनंद (मई 2016), आरक्षण से परे स्त्री का सत्य,International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Issue 3; May 2016; Page No. 40-41)।(क्र0सं0–7)

27- डॉ0 शैलजा माहेश्वरी (1997), हिन्दी व्यंग्य साहित्य में नारी, विकास प्रकाशन, कानपुर। (क्र0सं0–18)

28- डॉ0 समयलाल प्रजापति (सितम्बर, 2018), आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीः उपन्यासों में नारी पात्रों के रूप निरूपण का अध्ययन, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 4; Isue 5; September 2018; Page No. 34-38)। (क्र0सं0–30)

29- डॉ॰ साधना सहाय (जुलाई 2016), मनुस्मृति में वर्णित विवाह–प्रकारों में नारी विषयक चिन्तन की दुर्बलता, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 2; Issue 4; July 2016; Page No. 67-70)।(क्र0सं0–12)

30- डॉ॰ सारिका त्यागी (मार्च 2018), बेटियाँ जन्मी (सिर्फ माँ की कोख में), International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 4; Issue 2; March 2018; Page No. 14-15)।(क्र0सं0–5)

31- डॉ॰ सुमन सामोता (मार्च 2017), मृदुला गर्ग के उपन्यास 'कठगुलाब' में नारी संवेदना, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232(Volume 3; Issue 2; March 2017; Page No. 09-12)।(क्र0सं0–11)

32- डॉ॰ सुरेश प्रसाद चौधरी (सितंबर 2018), मालती जोशी के साहित्य पर मध्यम वर्गीय चेतना का विकास, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 4; Issue 5; September 2018; Page No. 01-02)।(क्र0सं0–9)

33- डॉ सूर्या बोस (नवम्बर 2016), नारी अस्मिता की पहचान "मीरा याज्ञिक की डायरी" के संदर्भ में, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232; (Volume 2; Issue 6; November 2016; Page No. 12-13)।(क्र0सं0–28)

34- सुलेखा मिश्रा और आशुतोष कुमार द्विवेदी (जनवरी, 2017), अलका सरावगी के उपन्यास में स्त्री अस्मिता, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Issue 1; January 2017; Page No. 54-57)।(क्र0सं0–31)

35- सोनू (सितम्बर 2018), वेदों में नारी की सार्वभौमिकता, International Journal of Hindi Research ISSN:2455-2232 (Volume 3; Issue 2; March 2017; Page No. 105-106)।(क्र0सं0–32)